मान्यवर, यह बात मैं राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संस्थान द्वारा किए गए सर्वे के नतीजों के आधार पर बता रहा हूं। मान्यवर, सीएजी ने भी इस संबंध में सवाल उठाए हैं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Time is over. ...*(Interruptions)*... Time is over. ...*(Interruptions)*... What do I do? ...*(Interruptions)*... You have made your point. ...*(Interruptions)*... Names of all those Members who are associating themselves with it may be noted. ...*(Interruptions)*... You have made your point. That is okay.

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुख्तार अब्बास नक़वी): डिप्टी चेयरमैन सर, आदरणीय रेवती रमन सिंह जी ने जो मुद्दा उठाया है, वह निश्चित तौर से महत्वपूर्ण है। प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने "स्वच्छ भारत व स्वस्थ्य भारत" के संकल्प को लेकर सभी जगहों पर toilets बनाने का एक बहुत ही क्रांतिकारी अभियान शुरू किया है और बहुत जगहों पर इस कार्यक्रम की सफलता सामने आयी है। आदरणीय रेवती रमन सिंह जी ने कहा है कि कई राज्यों व कई स्थानों पर शौचालय काम नहीं कर रहे हैं या उनका उपयोग कुछ और कामों के लिए हो रहा है। मैं निश्चित तौर पर संबंधित मंत्री जी से इस बारे में कहूंगा कि रेवती रमन सिंह जी ने इस तरह की बात कही है।

श्री राम नाथ ठाकुर (बिहार): महोदय, मैं इस विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री जावेद अली खान (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी इस विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

†جناب جاوید علی خان (اترپردیش): مہودے، میں بھی اس موضوع سے خود کو سمبدّ کرتا ہوں۔

श्री रणविजय सिंह जूदेव (छत्तीसगढ़): महोदय, मैं भी इस विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

डा. चन्द्रपाल सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी इस विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

SHRIMATI JAYA BACHCHAN (Uttar Pradesh): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI RITABRATA BANERJEE (West Bengal): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI NEERAJ SHEKHAR (Uttar Pradesh): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

Serious situation of health services in rural areas due to shortage of doctors

श्री प्रभात झा (मध्य प्रदेश): आदरणीय उपसभापति महोदय, देश की दो-तिहाई आबादी गांवों में रहती है, लेकिन वहां पर डॉक्टरों की उपलब्धता एक चौथाई है। सिर्फ 35 फीसदी सरकारी डॉक्टर्स

†Transliteration in Urdu script.

गांवों में हैं, जब कि हम सभी कहते हैं कि भारत की 70 फीसदी आबादी गांवों में रहती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार गत 12 वर्षों में 200 फीसदी डॉक्टर्स की कमी आयी है। महोदय, मातृ मृत्यु दर, प्रति लाख जननी, वर्ष 2012 तक 254 से घटकर 100 होनी चाहिए थी, वह सिर्फ 212 तक पहुंची है। इसी प्रकार नवजात मृत्यु दर प्रति हजार 57 से घटकर 28 होनी थी, लेकिन इसमें भी प्रदर्शन खराब रहा है और यह दर घटकर मात्र 44 तक पहुंची है। ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सकों की संख्या इतनी दयनीय है कि 1000 पर 0.6 डॉक्टर्स की उपलब्धता है यानी वहां पर डॉक्टर भी नहीं है। महोदय, यह एक-दो साल की बात नहीं, गत 15 सालों में हर सरकार के समय में इस तरह की दिक्कतें रही हैं। भारत में विशेषज्ञ डॉक्टर्स की 50 फीसदी कमी है और आज भी यह कमी मौजूद है। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ डॉक्टर्स की 82 फीसदी कमी हो गयी है। जहाँ सौ ऐसे डॉक्टर्स होने चाहिए, वहाँ अठारह डॉक्टर्स उपलब्ध हैं। आज भी गाँवों में 82 फीसदी डॉक्टर्स की कमी है।

आज देश में, ग्रामीण क्षेत्रों में स्त्री रोग विशेषज्ञ के मामले में जो कुल जरूरत है, वह 23.4 फीसदी की है। वैसे यह संख्या हंड्रेड फीसदी होनी चाहिए, लेकिन अभी केवल 23.4 फीसदी ही स्त्री रोग विशेषज्ञ उपलब्ध हैं। 2013 में ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञ डॉक्टर्स के आंकड़े, जहाँ 5,850 थे, वहीं 2014 में ये आंकड़े गिरकर 4,097 हो गए हैं। ग्रामीण क्षेत्र में लोगों को स्वास्थ्य सेवा के लिए संघर्ष करना पड़ता है। ये लोग आए दिन गाँव से मरीज को लेकर चलते हैं कि शहर में ले जाएं, लेकिन शहर आते-जाते उन लोगों की मौत हो जाती है।

महोदय, यह दर्दनाक कहानी खत्म होनी चाहिए। देश के ग्रामीण क्षेत्रों से प्रतिदिन हज़ारों लोग इलाज के लिए शहर की ओर आते हैं। शहर में भी डॉक्टर्स की बहुत बुरी स्थिति हो गई है। यहाँ तक कि अगर ये लोग गाँव में अपना इलाज कराते हैं, तो इन पर दोहरी मार पड़ती है। इलाज के नाम पर प्राइवेट डॉक्टर्स द्वारा इनसे मोटी रकम ली जाती है और शहर में जाते-जाते इनकी मौत हो जाती है। एक रिपोर्ट के अनुसार बिहार में निमोनिया और दस्त के 90 फीसदी गलत उपचार हो रहे हैं। यह उपचार गलत पाए गए, जबकि निमोनिया ...(**व्यवधान**)... *

चौधरी मुनव्वर सलीम (उत्तर प्रदेश)ः उपसभापति जी, मैं स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

† چودھری منور سلیم (اترپردیش): اُپ سبھاپتی جی، میں خود کو اس موضوع سے سمبدّ کرتا ہوں۔

श्री प्रेम चन्द गुप्ता (झारखंड)ः उपसभापति जी, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

Alleged infringement of the rights of Panchayati Raj Institutions in Chhattisgarh

श्रीमती छाया वर्मा (छत्तीसगढ़)ः उपसभापति जी, मैं इस सदन में नई मेम्बर हूं। ...(**व्यवधान**)... मैं पिछले एक सप्ताह से शून्य काल में अपना आवेदन लगा रही थी, लेकिन आज आपने मुझे बोलने का जो मौका दिया है, उसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। आज मैं इस उच्च सदन में आप सभी मूर्धन्य लोगों के बीच पहली बार कुछ बोलने का साहस कर रही हूं। माननीय महोदय, मैं छत्तीसगढ़ के बड़े और पहले त्योहार, हरीली त्योहार के लिए पूरे सदन को गाढ़ी-गाढ़ी बधाई देते हुए अपनी बात कहने का साहस कर रही हूं।

†Transliteration in Urdu script.

*Not recroded.